निदेशक एवं मुख्य मानव संसाधन अधिकारी द्वारा वर्चुअल संबोधन के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया

14 सितंबर, 2020 : भारतीय प्रबंध संसाधन बेंगलूर के हिन्दी विभाग ने आज अपराह्न हिंदी दिवस का आयोजन किया ।

हिन्दी विभाग की वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, सुनीता मिश्रा ने सबका स्वागत किया और श्री शिवकुमार वेंकटेस्वरन, मुख्य मानव संसाधन अधिकारी को समारोह के संदर्भ में संबोधन के लिए आमंत्रित किया । उन्होंने कहा कि "कोविड-19 के कारण हम वर्चुअल तरीके से काम कर रहे हैं । यह एक नया अनुभव है, जिसे हमने अच्छी तरह से अपनाया है । भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर में फलदायी एवं दक्षता में प्रौद्योगिकी सहायक रही है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हम अपने प्रशासनिक कार्य, भली-भाँति करना जारी रखे हैं ।"

उन्होंने हिंदी दिवस के संदर्भ में जानकारी देते हुए सरल हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के हिंदी विभाग द्वारा संचालित निबंध लेखन से लेकर प्रश्नोत्तरी तक सभी कार्यक्रम को सूचीबद्ध किया, जिसके लिए स्कूल को मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति से एवार्ड एवं ट्रॉफियों से सम्मानित किया गया ।

अपने विशेष संबोधन में, भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के निदेशक डॉ. ऋषिकेश टी. कृष्णन ने भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर समुदाय को सरल हिंदी के प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया और प्रशासनिक मामलों में अपनी हिंदी में सुधार के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर के निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल को श्रेय दिया । प्रोफेसर कृष्णन ने भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के हिन्दी विभाग को भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए धन्यवाद दिया ।

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर की हिन्दी अधिकारी, नीता जॉन ने माननीय शिक्षा मंत्री, डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' का संदेश पढ़ा, जिसमें माननीय मंत्री जी ने कर्मचारियों को अपने कार्यालय कार्य में यथासंभव हिंदी प्रयोग करने पर जोर दिया है ।

हिंदी प्रश्नोत्तरी का परिणाम भी घोषित किया गया:

प्रथम पुरस्कार - वाणी के.एस., कार्यपालक, पीजीपी
द्‌वितीय पुरस्कार - नोरा गोसाई, परियोजना कार्यपालक, वित्त एवं लेखा
तृतीय पुरस्कार - खुशबू, समन्वयक, ओडीएस
प्रोत्साहन पुरस्कार - रोहित भारद्‌वाज, शैक्षणिक सहयोगी, निर्णय विज्ञान एवं शिविका आनन्द, शैक्षणिक सहयोगी, विपणन

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर के हिंदी विभाग के कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, ए.के. त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया ।